was also a Member of Public Accounts Committee during 1950—55.

A veteren freedom fighter and active social worker, he participated in the non-cooperation movement and suffered imprisonment several times during the freedom struggle.

He also participated in the relief work during natural calamities and devoted himself to women's education and eradication of untouchbility. He took special interest in Panchayati Raj and co-operation.

He passed away last month at the age of 80.

Shri Sarangdhar Sinha was a Member of Constituent Assembly during 1946—50 and of the First and Second Lok Sabha representing Patliputra and Patna constituencies of Bihar, respectively, during 1952—62. Earlier he had been a Member of Bihar Legislative Assembly during 1936—51 and was Parliamentary Secretary fo Eduation and Revenue in that state during 1936—39. He functioned as Chairman/Member of various Committees appointed by the State Government.

A veteran freedom fighter, he suffered imprisonment several times during the non-cooperation movement.

A renowned educationist, he was appointed Vice-Chancellor of Patna University and represented Indian Universities at the Conference of the Association of the Universities of Commonwealth, New Zealand in 1950.

He passed away at Patna on 30 June, 1982 at the age of 81.

We deeply mourn the loss of these friends. I am sure the House will join me in conveying our condolences to the bereaved families.

The House may stand in silence for a short while to express its sorrow.

(The Members then stood in silence for short while.)

MR. SPEAKER: Shri Ram Vilas Paswan.

SHRI N. K. SHEJWALKAR (Gwalior): Regarding item No. 2 I may mention that the hon. Member Shri Hira-Vallabh Tripathi expired on 26th April, 1982 when the House was in session. Why was the House not informed earlier? The House adjourned on 30th of April, 1982.

MR. SPEAKER: First of all we get confirmation and then do it. We satisfy ourselves first.

SHRI N. K. SHEJWALKAR: Does it take three to five days!

DR. KRUPASINDHU BHOI (Sambalpur): Question No. 1 has been discussed so many times in this House. Half-an-hour discussion had also been there. How has this question been allowed by the Secretariat?

MR. SPEAKER: This is my judgement. Please sit down.

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान का कार्यकरण

1. **श्री रामविलास** पासवान: क्या स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार ने डैडली बंगलिंग एट ए. आइ. आई. एम. एस. शीर्षक से 30 अप्रैल, 1982 के "आनलूकर" में तथा "द फाइनल डायगनोसिज आन दी ए. आई. आई. एम. एस." शीर्षक से करेंवान के मई (द्वितीय) 1982 के अंक से प्रकाशित लेखों को देखा है ;

(ख) क्या अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान के एक सहायक प्रोफेसर डा. पी. वेणुगोपाल को 27 सितम्बर, 1981 को परिसर में ही दौरा पड़ा था और अस्पताल ले जाने पर उन्हें 18 घंटे बाद एक और दौरा पड़ा ;

(ग) क्या वह 19 अक्तूबर, 1981 तक अस्पताल में प्राइवेट वार्ड में रहे (पंजीयन संख्या सी आर 20846) ;

(घ) क्या डा. गोपीनाथ मायोपिया से पीड़ित हैं और हाल ही में वह मद्रास गए थे और डा. बद्रीनाथ से रेटीना के अलग हो जाने का उपचार कराया था ;

(ङ) क्या भूतपूर्व स्वास्थ्य राज्य मंत्री (श्री जगदम्बी प्रसाद यादव) ने भी उपरोक्त दो डाक्टरों के विरुद्ध लंबी रिपोर्ट भी लिखी थी; और

(च) क्या सरकार ने कोई जांच कराई है ?

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF HEALTH AND FAMILY WELFARE (KUMARI KUMUDBEN M. JOSHI: (a) Yes, Sir.

(b) It has been reported by the All India Institute of Medical Sciences that Dr. F. Venugopal, Associate Professor had a fit on the 28th September, 1981 and another sometime later, the same day.

(c) Yes, Sir.

(d) Dr. Gopinath is short-sighted, which is called myopia in medical terms. Like all short sighted people he wears glasse. The Institute has no information regarding his treatment for retinal detachment at Madras.

(e) and (f). As per records no such note is available with the Government or the Institute.

श्री राम विलास पासवान : अध्यक्ष महोदय, अब तो सदन जान गया होगा कि मैंने जो कहा था, वह बेसलैस नहीं था और उस का बेस था । उसी दिन मैंने कहा था कि बेस तो है भले ही लैस हो ।

पहले खंड के पूरक प्रश्न में मैं मंत्री महोदय से यह पूछना चाहता हूं कि क्या यह सही है कि डा. वेणूगोपाल को मिर्गी की दवाई दी गई थी, एन्टी-एपीलेप्टिक दवाई दी गई थी और क्या यह भी सही है कि उन की केस-शीट गायब है ?

THE MINISTER OF HEALTH AND FAMILY WELFARE (SHRI B. SHANKARANAND): Sir, at that time, when he had fits, the medicine was given, to which the hon. Member was referring, along with other medicines also.

श्री राम विलास पासवान: मैंने दो सवाल पूछे हैं । क्या यह सही है कि उन को एन्टी-मिर्गी दवाई दी गई थी ?

अध्यक्ष महोदय: वह तो हो गया है ।

श्री राम विलास पासवान : दूसरा मैंने यह पूछा था कि क्या यह बात सही है कि उन की केस-शीट गायब है ?

SHRI B. SHNKARANAND: Sir, if the papers are not available, how can I answer this Question? (*Interruptions.*)

अध्यक्ष महोदय: आप बीच में क्यों बोल रहे हैं ।

श्री राम विलास पासवान : मैंने जो प्रश्न पूछा है, वह यह है कि क्या सरकार ने डैडली वंगलिंग एट ए. आई. आई. एम. एस. शीर्षक से 30 अप्रैल, 1982 के "आनलुकर" में तथा दी फाइनल डायगनोसिस आन दी "ए. आई. आई. एम. एस." शीर्षक से कैरोवान के मई (द्वितीय) 1982 के अंक में प्रकाशित-लेखों को देखा है ? उसी के आधार पर मेरा क्वेश्चन बेस्ड है और उसके बाद यह कहते हैं और इस में भी जिक्र है कि रिकार्ड मिस है । मैं जानना चाहता हूं कि क्या मंत्री जी ने इस बात की जांच करवाई है कि फाइल गायब है । जब आप ने इन को देखा है और उसी के संबंध में मेरा प्रश्न है, तो फिर यह इस का जवाब क्यों नहीं देते हैं ?

अध्यक्ष महोदय : इन्होंने यह कहा है कि अगर फाइल न होती, तो जवाब कैसे देता ।

श्री राम विलास पासवान : 21 दिन पहले मैंने क्वेश्चन दिया था और एक स्पेसीफिक क्वेश्चन दिया था और अभी हमारे एक माननीय सदस्य उधर से कह रहे थे कि इस के बारे में पहले 193 में डिस कशन भी हो गया है और सारी चीजें डिस्कस

हो गई है । अब दोबारा जब यह क्वेश्चन किया गया, तो मंत्री महोदय बताएं कि फाइल गायब है या नहीं? अध्यक्ष महोदय, आप इस का जवाब दिलवाएं ।

अध्यक्ष महोदय: मंत्री जी, और कुछ इस बारे में कहना चाहते हैं ?

श्री राम विलास पासवान : आप 'यस' या 'नो' में इस का जवाब दिलवाइए ।

SHRI B. SHANKARANAND: I cannot say 'Yes' or 'No'.

(Interruptions)

I have looked into the records and to my knowledge, no record is missing. I have not found any record missing.

श्री राम विलास पासवान: पिछली बार भी हम दो बार प्रिविलेज मोशन इस सिलसिले में लाए हैं और आप 105 में हमेशा मंजूर करते हैं और हमसे कहते हैं कि गलती हो गई । मेरा सीधा क्वेश्चन है और जवाबदेही के साथ मंत्री महोदय बताएं । . . **(व्यवधान)** . . मैं पूछना चाहता हूं कि **एज ए मिनिस्टर फुल रेस्पॉंसीबिलिटी** के साथ मंत्री जी जवाब दें कि इस को बाद में जांच करवाएंगे या नहीं । यह सीधा सा सवाल है । या तो वह मिसिंग है या वह वहां होगी, दो ही चीजें हो सकती हैं या आप इस की जांच करवाएंगे, इस के बारे में आप बताएं ?

MR. SPEAKER: It is quite explicit.

श्री राम विलास पासवान: मिसिंग नहीं है ।

MR. SPEAKER: That is what he has said.

श्री राम विलास पासवान : हम लोगों ने सुना नहीं, आप दोबारा कहलवा दीजिए । इस का क्लीयर जवाब नहीं आया है ।

श्री हरीश कुमार गंगवार : लड़ा इम्पोर्टेन्ट सवाल है 'हां' या 'ना' में इस का जवाब दिलवाइए ।

अध्यक्ष महोदय: जवाब दे तो दिया है । इस में भी क्या कोई शक की बात है ।

श्री राम विलास पासवान : आप दोबारा इस का जवाब दिलवा दीजिए ।

अध्यक्ष महोदय : जवाब दे तो दिया है । आप दूसरा सवाल करिये ।

श्री आर. एन. राकेश : इस का रेप्लाई साफ करवाइए ।

अध्यक्ष महोदय : साफ हो तो गया है ।

श्री आर. एन. राकेश: इनडाइरेक्ट रेप्लाई दिया गया है ।

एक माननीय सदस्य: गोलमाल कर रहे हैं ।

MR. SPEAKER: No *golmal*.

(Interruptions)

MR. SPEAKER: I have not allowed you. Mr. Ram Vilas, second question.

श्री राम विलास पासवान : मैंने दूसरा सवाल यह पूछा था कि डा. गोपीनाथ की आंख की बीमारी है और इन को सीधा दिखलाई नहीं पड़ता है । हार्ट सर्जरी के लिए जहां एक एक मिलीमीटर का बड़ा महत्व होता है, वहां क्या ऐसे डाक्टर को सर्जन बनाना चाहिए और मैंने यह सवाल भी पूछा था कि क्या डा. गोपीनाथ ने मद्रास जा कर इलाज करवाया था और यह तमाम पत्रिकाओं में निकला है और मंत्री महोदय ने कहा कि उनकी जानकारी नहीं है । मैं मंत्री महोदय से यह पूछना चाहता हूं कि क्या अक्टूबर के लास्ट वीक से, दिसम्बर, जनवरी, फरवरी और मार्च तक ये डाक्टर कहां थे ? क्या यह सही है कि इन्होंने मद्रास के डा. बद्रीनाथ के अण्डर में अपनी आंख का ट्रीटमेंट कराया और अक्टूबर में इन्स्टीच्यूट के डा. राजेन्द्र प्रसाद आपथेलमिक सेन्टर में भी इनकी आंख का इलाज हुआ था ? क्या यह भी सही है कि नियम के अनुसार आंख की बीमारी का डाक्टर किसी

*Not recorded

इंस्टीच्यूट में सर्जन नहीं हो सकता है ? फिर आंख की बीमारी वाले डाक्टर को आल इंडिया इंस्टीच्यूट में सर्जन के रूप में क्यों बहाल किया जाता है ?

SHRI B. SHANKARANAND: Sir, this question has been discussed in this House. I should say, several times,, on 25.3.82, on 1.4.82, on 15.4.82 and again on 15.4.82 in the form of an Unstarred question on the subject relating to these doctors. It has been discussed so many times in this House that I do not know whether we should waste the time of the House on this question again and again. I have given full information about these doctors. I should tell the House and, I hope, the House will agree with me that Dr. Gopinath is one of the famout and well-known Heart Surgeons and I am receiving requests every day from the public and the people that they should be treated at the hands of Dr. Gopinath. If somebody wears glasses, it does not disqualify him from being a doctor.

श्री राम विलास पासवान : अध्यक्ष महोदय, यही 197 के अधीन चर्चा में हुआ, यही हमेशा होता है । इसलिए हमको प्रश्न पूछना पड़ता है । कहा गया है कि या तो सांप को छेड़ो मत, अगर छेड़ो तो छोड़ो मत ।

PROF. K. K. TEWARY: It cannot be allowed; it cannot go unchallenged. What is the meaning of his statement? (*Interruptions*) What does he mean?

श्री राम विलास पासवान : मैंने तीन प्वाएंट कहे थे । एक प्वाएंट पर मंत्री जी ने माफी मांगी, दूसरा प्वाएंट मैंने कहा था कि क्या उनको मिर्गी की बीमारी है तो मंत्री जी को कबूल करना पड़ा था कि उनको मिर्गी की बीमारी है । तीसरा प्वाइंट मेरा है कि क्या डा. गोपीनाथ को आंख की बीमारी है और क्या उन्होंने मद्रास में डा. बद्रीनाथ से इलाज करवाया था ?

अध्यक्ष महोदय : सवाल यह नहीं है कि उन्होंने इलाज करवाया था या नहीं करवाया था । सवाल यह है कि क्या वे देख सकते हैं या नहीं देख सकते हैं ?

श्री राम विलास पासवान : यू. पी. एस. सी. के रूल्स के मुताबिक. . . . .

अध्यक्ष महोदय : मेडिकल्ली फिट हो, अगर देख सकता हो तो हो सकता है ।

श्री राम विलास पासवान : जो सीधा नहीं देख सकता है, वे सीधा नहीं देख सकते सकते हैं तो क्या वे आप्रेशन कर सकते हैं और वह भी ओपन हार्ट का ?

DR. KRUPASINDHU BHOI: Sir, this is a very sensitive issue. This particular matter has been discussed on the floor of the House several times in the form of Question-Answer, as a Half-an-Hour Discussion and, again, you have allowed it to a person who is a layman as far as the medicine and the doctors are concerned. This is degrading the prestige of the AIIMS. This matter has been discussed threadbare on the floor of the House and the hon. Member is a layman as far as this is concerned.

I want to know from the hon. Minister whether a diagnosis can be debated by a layman or internationally reputed doctors and whether he is aware of the fact. . .that he should not also answer in regard to a diagnosis on the floor of the House. . (Interruptions) This cannot be debated in the House.

Another point is that the hon. Member has raised the question of retinal detachment. I want to know. . .

MR. SPEAKER: I want a question if there is any.

MR. SPEAKER: You ask your question.

DR. KRUPASINDHU BHOI: I want to know from the hon. Minister whether in India retinal detachment is cured hundred per cent sucessfully in so many hospitals. After treatment for retinal detachment, there is no question of any error in the eye. Myopia is not a barrier for a

thoracic surgeon nor retinal detachment is a barrier. How are these things discussed in the Parliament? How can the Minister answer a particular point?.... (*Interruptions*) Internationally reputed doctors are being maligned by you people. This cannot be tolerated.

SHRI B. SHANKARANAND: I agree with the hon. Member that reputed doctors' personalities and their health should not be discussed on the floor of the House in the sense...

SHRI RAM VILAS PASWAN: Who will decide - either you or he?

SHRI B. SHANKARANAND: I have said time and again on the floor of the House that this doctor is not suffering from any disability which will prevent him from practising.

श्री अटल बिहारी वाजपेयी : अध्यक्ष महोदय, आल इंडिया मेडिकल इंस्टीट्यूट के डाक्टर सदन में अपनी सफाई देने के लिए उपस्थित नहीं हैं । उनका बचाव करना मंत्री महोदय का काम है । आपने उनकी व्यक्तिगत बीमारियों के बारे में सवाल पूछने की इजाजत देकर एक नई एक परंपरा कायम की है मैं किसी विवाद में नहीं जाना चाहता, लेकिन क्या आप राजनयिक नेताओं की व्यक्तिगत बीमारियों के बारे में भी सवाल उठाने की इजाजत देंगे ? मेरा प्रश्न मंत्री महोदय से नहीं है--आप से है ।

MR. SPEAKER: This does not concern his personality. It is a question in pursuance of the earlier one. That is why I had to allow.

राजनयिकों की बीमारी का असर दूसरों पर नहीं पड़ता ।

श्री अटल बिहारी वाजपेयी : अगर मंत्री जी किसी बीमारी से ग्रसित हों तो उनकी चर्चा भी करनी पड़ेगी ।

MR SPEAKER: It does not concern the individual. It is concerning other patients.

SHRI B. SHANKARANAND: I wrote back to the Lok Sabha Secretariat that this question should not be allowed and I have given the reasons also.

Pak Proposal on No-War-Pact

*2. SHRI VIRDHI CHANDER JAIN:

SHRI DIGAMBER SINGH:

Will the Minister of EXTERNAL AFFAIRS be pleased to state:

(a) whether Pakistan proposed a new No-War-Pact between India and Pakistan;

(b) what is the reaction of the Government of India thereto; and

(c) outcome of discussions held on the subject in recent weeks between the representatives of India and Pakistan?

THE MINISTER OF EXTERNAL AFFAIRS (SHRI P. V. NARASIMHA RAO): (a) to (c). Pakistan has given us a draft of an agreement on non-agression on 1st June 1982. We are examining Pakistan's draft and will convey our reaction in due course. Discussions will continue during Foreign Secretary's visit to Pakistan in August.

श्री वृद्धि चन्द्र जैन : अध्यक्ष महोदय, क्या यह सही है कि भारत ने नेहरू जी, शास्त्री जी और श्रीमती इंदिरा गांधी के प्रधान मंत्रित्व के समय में दोनों देशों के बीच "नो वार पैक्ट" का करार करने के लिए पाकिस्तान को प्रस्ताव भेजा था--तब तो पाकिस्तान सहमत नहीं हुआ और अब जब पाकिस्तान अमरीका से आधुनिक हथियार लेने की होड़ में लगा हुआ है और एफ-16 और अन्य सोफेस्टिकेटेड एक्वीपमेंट्स प्राप्त करने जा रहा है, इस समय शिमला-एग्रीमेंट होते हुये भी पाकिस्तान द्वारा "नो वार पैक्ट" के पीछे क्या उद्देश्य, रहस्य और प्रयोजन है, जिसके लिए भारत-सरकार ने जानने का क्या प्रयास किया है ?

श्री पी. वी. नरसिंह राव : इस बारे में इतनी बहस हो चुकी है कि उसे फिर से